सृजनात्मकता का विकास व भूमिका

सृजनात्मकता की संकल्पना के बारे में विभिन्न विद्वान एक मत नहीं हैं। मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सृजनात्मकता पायी जाती है वास्तव में संसार के समस्त प्राणियों में सृजनात्मकता पाई जाती है। किसी व्यक्ति में कम मात्रा में किसी में अधिक पायी जाती है। मानवीय जीवन को सुखमय बनाने के लिए नवीन आविष्कार करने तथा समस्याओं का समाधान खोजने के कार्य में सृजनात्मकता अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। दूसरे विश्वयुद्ध के उपरान्त 'सृजनात्मकता' के प्रत्यय पर मनोवैज्ञानिकों व शिक्षाशास्त्रियों ने विशेष ध्यान दिया। वर्तमान समय में हो रहे वैज्ञानिक व तकनीकी, औद्योगिक प्रगति व विकास तथा आधुनिकीकरण ने मानव जीवन को जटिल व समस्याग्रस्त बना दिया है इन समस्याओं के समाधान के लिए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सृजनात्मकता की आवश्यकता महसूस होती है। आजकल सृजनात्मक व्यक्तियों की अत्यन्त माँग है। ये एक राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है।

सृजनात्मकता की परिभाषाएं —

भिन्न-२ मनोवैज्ञानिकों के द्वारा सृजनात्मकता को भिन्न-२ ढंग से परिभाषित किया है। मनोवैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत सृजनात्मकता की कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्नवत है—

1→ क्रो & क्रो के अनुसार— "सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।"

"Creativity is a mental process to express the original outcomes."

२→ जेम्स ड्रेवर (James Drever) के अनुसार— "सृजनात्मकता मुख्यतः नवीन रचना या उत्पादन में होती है।"

"Creativity is essentially found in new construction of production."

3→ स्टेन (STEIN) के अनुसार— "जब किसी कार्य का परिणाम नवीन हो जो किसी समय में समूह द्वारा उपयोगी मान्य हो वह कार्य सृजनात्मकता कहलाता है।"

4— रोजर व स्टीन के अनुसार— "सृजनशीलता 'उत्पाद' है।"

5— स्टेगनर एवं कार्वोस्की (Stagner & Karwoski) = "किसी नई वस्तु का पूर्ण या आंशिक उत्पादन सृजनात्मकता है।"

Scanned with CamScanner

सृजनात्मकता
या
सृर्जनात्मकता का अर्थ ✓ — "कुछ नया करना" नये विचार लाना नयी वस्तु बनाना
या
रचनात्मकता

अर्थ :— "सृजनात्मकता, सृर्जनात्मकता अथवा रचनात्मकता किसी वस्तु, विचार, से से सम्बन्ध किसी समस्या का समाधान निकालने आदि के क्षेत्र में कुछ नया रचना, आविष्कृत करने या पुनर्सृजित करने की प्रक्रिया है।"

"Creativity is the process of creating inventing or regenerating of creativity, there is a proportional relationship between personal ability and training."

सृजनात्मकता = मौलिकता (नवीन) + उपयोगिता

"पूर्व की वस्तु, विचार, ज्ञान, कार्य आदि को पुनः व्यवस्थित कर नया रूप प्रदान करना ही सृजनात्मकता कहलाती है।"

Note ⇒	सृजनशील बालक जरूरी नहीं की प्रतिभाशाली हो प्रतिभाशाली बालक हो सकता सृजनशील लेकिन सभी नहीं !

Scanned with CamScanner

सृजनात्मकता का विकास

सृजनात्मकता का विकास बाल्यावस्था (5-6 - 12 वर्ष) तक में होता है। सर्वप्रथम बालकों के खेल में सृजनात्मकता की अभिव्यक्ति पायी जाती है। बालकों की आयु वृद्धि के साथ यह खेल के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में फैल जाती है।

डेनिस व हैलमैन के अनुसार – "सृजनात्मकता लगभग 30-वर्ष की अवस्था तक अपनी चरम सीमा तक पहुंच जाती है। 30 वर्ष के बाद ये स्थिर हो जाती है। इसमें कमी (अवनति) आनी प्रारम्भ हो जाती है।" (Maximum)

सृजनात्मकता की विशेषताएं –

(Characteristics of Creativity)

सृजनात्मकता की विशेषता निम्नलिखित हैं –

टॉरेन्स (Torrance, 1968) के अनुसार – "सृजनशील व्यक्ति के अन्दर 84 विशेषताएं पायी जाती हैं जो निम्नलिखित हैं –

जिनमें से कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं –

1- विकृति को स्वीकारना (Accepts Disorders)
2- जोखिम उठाना (Adventurous)
3- तीव्र भावना (Strong Affection)
4- दूसरों के प्रति जागरुकता (Awareness of others)
5- सदैव किसी बात से परेशान रहना (Always Baffled by something)
6- अव्यवस्था की ओर आकर्षित होना (Attracted to disorder)
7- कठिन कार्यों का प्रयास (Attempts Difficult Jobs)
8- लज्जालु या झेंपू (Bashful outwardly)
9- रचनात्मक आलोचना (Constructive in Criticism)
10- रहस्य की ओर आकर्षित होना (Attracted to Mysterious)
11- परार्थोन्मुखता (Altruism)
12- साहसिक (Courageous)
13- श्रेष्ठ होने की इच्छा (Desire of Excel)
14- पक्का इरादा (Firm Determination)

Scanned with CamScanner

→ ! सृजनशील व्यक्ति के व्यक्तित्व की विशेषताएं !
(टोरेन्स के अनुसार) 84 हैं —

15 — असन्तुष्ट (Discontented) 45 — दृढ़ (Tenacious)
16 — प्रबल (Dominant) 46 — वात्सल्य (Tender Emotions)
17 — संवेगात्मकता (Emotional) 47 — डरपोक (Timid)
18 — परिश्रमी (Industrious) 48 — आमूल परिवर्तनवादी (Radical)
19 — अन्तःमुखी (Introversive) 49 — जोखिम उठाने को तैयार (Willing to take risks)
20 — त्रुटि करता है (Makes Mistakes) 50 — पूर्ण — (Tharough)
21 — कभी ऊबता नहीं है (Never Bored) आदि !
22 — सतत (Persistent)
23 — व्यवस्था को बिगाड़ने वाला (Disturbs organization)
24 — उद्योगी (Emergetic)
25 — दोष निकालने वाला (A Fault Finder)
26 — जिज्ञासा से पूर्ण (Full of Curiosity)
27 — एकान्तप्रिय (Likes Solitude)
28 — निर्णय में स्वतन्त्रता (Independence in Judgment)
29 चिन्तन में स्वतन्त्रता (" " " in Thinking)
30 — व्यक्तिवादी (Individualistic)
31 अलोकप्रिय (Not popular)
32 विचित्र आदतें (Oddities of Habits)
33 अपने विचारों में लीन (Becomes Pre-occupied)
34 अनौपचारिक (Non-Conforming)
35 संकल्पी (Resolute)
36 आत्मसात् (Reserved)
37 आत्म-सचेत (Self-aware)
38 आत्म विश्वासी (Self-Confident)
39 आत्म निर्भर (Self-Sufficient)
40 हास्य की संवेदना (Sense of Humour)
41 सुन्दरता के प्रति संवेदनशीलता (Sensitive to Beauty)
42 निश्छल (Sincere)
43 स्वचालित (Self-Starter)
44 जिद्दी / अड़ियल (Stubborn)

Scanned with CamScanner

सृजनात्मकता की विशेषतायें

1- सृजनात्मकता जन्मजात व अर्जित दोनों प्रकार की होती है।
2- सृजनात्मकता के कुछ प्रमुख तत्व होते हैं— 1- धारा प्रवाह, मौलिकता, नवीनता, नमनीयता, प्रवाहमयता, लचीलापन, पुनः परिभाषीकरण, विविधता, विस्तारण, संवेदनशीलता आदि।
3- सृजनात्मकता व्यक्तिगत होती है।
4- सृजनात्मकता मानव के प्रत्येक क्षेत्र में पायी है।
5- सृजनात्मकता का स्वरूप आन्तरिक है जो उचित एवं अनुकूल वातावरण में प्रयुक्त होती है। तथा विकसित होती है।
6- सृजनात्मकता का मापन किया जा सकता है।
7- सृजनात्मकता के द्वारा व्यक्ति नये विचारों को जन्म देता है।
8- सृजनात्मकता व्यक्ति के अन्दर संवेदनशीलता पायी जाती है।
9- सृजनात्मकता " " " " कल्पना शक्ति पायी है।
10- सृजनात्मकता 5-30 वर्ष तक उच्च होती है।
11- कठिन कार्यों को करना

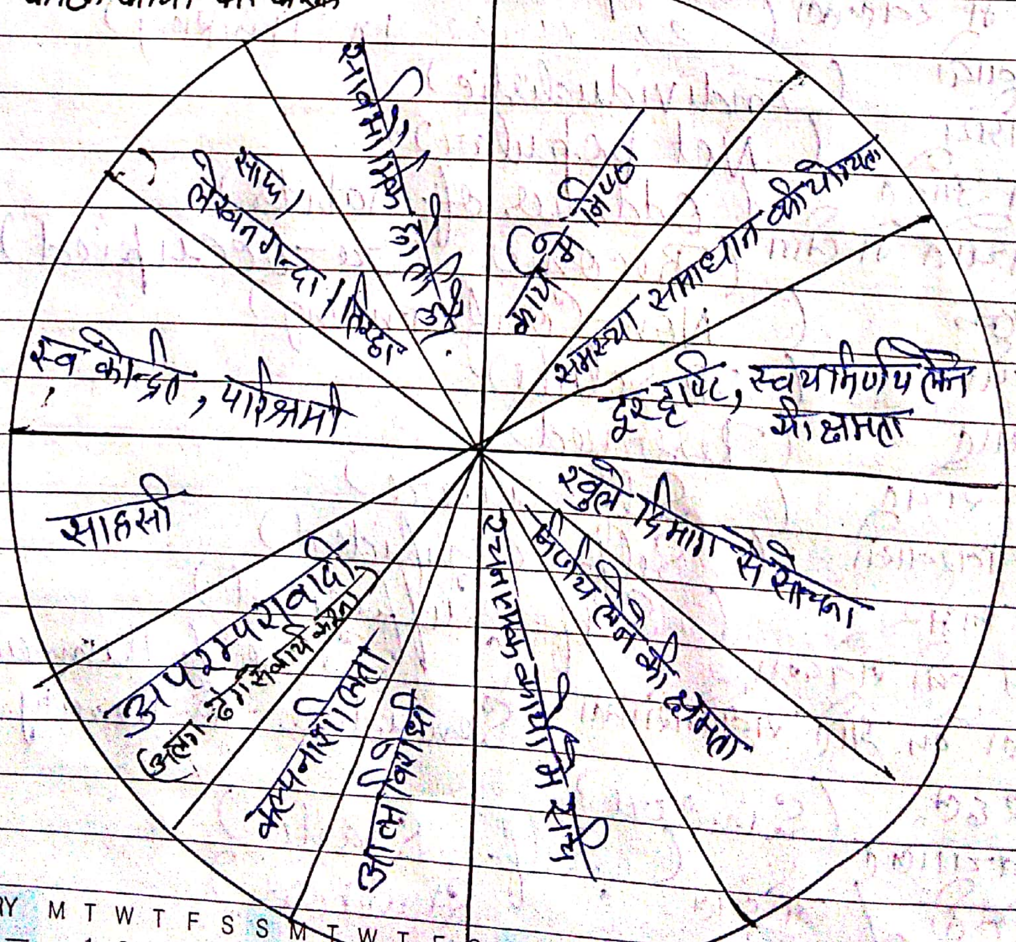

सृजनात्मक बालकों की विशेषतायें

2019 JANUARY — WK 02 | DAY 008-357 — TUESDAY 08

सृजनात्मकता की प्रकृति

सृजनात्मकता की प्रकृति निम्न लिखित है —

1 – सृजनात्मकता जन्मजात व अर्जित होती है।

2 – सृजनात्मकता वाले व्यक्ति में बुद्धि का सामान्य स्तर (90–110) होना चाहिए।

3 – सृजनात्मकता व बुद्धि का सकारात्मक / धनात्मक सम्बन्ध है।

4 – सृजनात्मकता व शिक्षा का नकारात्मक / ऋणात्मक सम्बन्ध है।

5 – सृजनात्मकता वाले व्यक्ति में लिंग भेद नहीं पाया जाता है।

6 – सृजनात्मकता आन्तरिक होती है।

7 – सृजनात्मकता सार्वभौमिक होती है।

8 – सृजनात्मक बालक प्रतिभाशाली हो सकता है व नहीं भी।

9 – प्रतिभाशाली बालक सृजनशील होगा।

10 – सृजनात्मकता में मौलिकता व उपयोगिता व अन्य तत्व पाये जाने चाहिए

आदि!

Scanned with CamScanner